

षटतिला एकादशी कथा in Hindi

नारद मुनि एक बार भगवान विष्णु के पास गए और उनसे षटतिला एकादशी व्रत के महत्व और उसकी कथा के बारे में पूछा। भगवान विष्णु ने नारद मुनि को बताया कि प्राचीन काल में एक विधवा ब्राह्मणी रहती थी, जो भगवान विष्णु की भक्त थी और सभी व्रत-पूजन करती थी, लेकिन वह कभी किसी को दान नहीं देती थी।

एक दिन भगवान विष्णु भिक्षा मांगने उसके घर गए। ब्राह्मणी ने उन्हें मिट्टी का एक पिंड दे दिया। भगवान विष्णु उसे अपने साथ बैकुंठ ले गए।

कुछ समय बाद ब्राह्मणी की मृत्यु हो गई और वह बैकुंठ पहुंची। वहां उसे एक खाली कुटिया और एक आम का पेड़ मिला। निराश होकर उसने भगवान विष्णु से पूछा कि उसने जीवनभर पूजा की, फिर भी उसे खाली कुटिया क्यों मिली?

भगवान विष्णु ने कहा कि उसने कभी दान नहीं दिया, इसलिए उसे खाली कुटिया मिली। उन्होंने ब्राह्मणी को उपाय बताया कि जब देव कन्याएं उससे मिलने आएंगे तो वह षटतिला एकादशी व्रत विधान पूछकर ही द्वार खोले।

ब्राह्मणी ने वैसा ही किया और षटतिला एकादशी का व्रत रखा। व्रत के प्रभाव से उसकी कुटिया अन्न और धन से भर गई।

सीख

इस कथा से हमें दान का महत्व समझना चाहिए। षटतिला एकादशी के दिन अन्न दान करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

Shattila Ekadashi Vrat Katha in English

Once, Narad Muni visited Lord Vishnu and asked him about the significance and story of the Shattila Ekadashi fast. Lord Vishnu narrated to Narad Muni that in ancient times, there lived a widow who was a devout worshiper of Lord Vishnu. She observed various fasts and performed rituals but never gave charity to anyone.

One day, Lord Vishnu himself went to her house in the guise of a beggar. The woman, instead of food, offered him a lump of clay. Lord Vishnu accepted it and returned to his abode in Vaikuntha.

After some time, the widow passed away and reached Vaikuntha, where she found a small, empty cottage and a mango tree. Disappointed, she asked Lord Vishnu why, despite her lifelong devotion, she received only an empty cottage.

Lord Vishnu explained that since she had never practiced charity, she was given an empty abode. He advised her that when the divine maidens came to meet her, she should ask them about the Shattila Ekadashi Vrat before opening the door.

Following his advice, the widow inquired about the Shattila Ekadashi fast and observed it accordingly. The power of the vrat filled her cottage with food and wealth.

Lesson

This story teaches us the importance of charity. It is considered especially auspicious to donate food on the day of Shattila Ekadashi.